प्रश्न-अभ्यास : प्रश्नोत्तर

पाठ से

1. इस कविता के माध्यम से हमें क्या सीख मिलती है ?

उत्तर—इस कविता के माध्यम से हमें शक्तिवान बनने की सीख मिलती है ।

2. वे कौन-सी परिस्थितियाँ थीं जिन्होंने राम को धनुष उठाने पर बाध्य किया?

उत्तर—राम के द्वारा तीन दिनों तक सागर से राह देने की अनुनय-विनय का भी जब कोई असर नहीं हुआ तब मजबूरन उन्हें अपने विनीत स्वभाव को छोड़ रौद्र रूप धर धनुष उठाने को विवश होना पड़ा ।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो ।
उसको क्या, जो दंतहीन,
विषहीन, विनीत, सरल हो ।

उत्तर—क्षमा वैसे ही बलशाली को शोभा देती है जो उस भयंकर सर्प के समान हो जिसके पास विष हो । वैसे साँप से सब भय खाते हैं । उसी प्रकार क्रोध और रौद्र रूप धर सकने वाले बलशाली व्यक्ति से ही लोग भी डरते हैं । उसी से क्षमा की आस रखत हैं । उसी को क्षमा शोभती है । और जिस सर्प को दांत नहीं होता जो काट नहीं सकता, जिस सर्प के पास विष नहीं होता, वैसे सांप से कोई नहीं डरता । उसकी नम्रता का लोग उपहास ही करते हैं । ठीक उसी प्रकार जिस पुरुष के पास शक्ति नहीं होती उसकी क्षमा का भी लोग उपहास करते हैं । बलवान को ही क्षमा शोभती है ।